RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

मुख्यमंत्री उद्यमी विकास योजना में अब तक 1001 युवाओं को किया गया ऋण वितरित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने अवगत कराया है मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत मा0 मुख्यमंत्री जी का युवाओं के लिए रोजगार के दृष्टिगत युवाओं को आत्मनिर्भर तथा स्वावलम्बी बनाने की दिशा में शुरू की गई इस दूरदर्शी पहल जिसमें 5 लाख तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाने का प्राविधान है, जिससे युवा किसी भी क्षेत्र में अपना स्वयं का उद्यम शुरू कर सके तथा लोगों को रोजगार उपलब्ध करा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु जनपद का लक्ष्य 2200 निर्धारित किया गया है,।

वर्ष – 03 | अंक – 307 | जौनपुर | शुक्रवार, 27 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

समाजवादी पार्टी ज्वाइन करेंगे तेज प्रताप यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने साफ कर दिया है कि वे चुप नहीं बैठेंगे। अपने राजनीतिक भविष्य और निजी जीवन को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच तेज प्रताप एक के बाद एक बैठकें कर रहे हैं, अपने समर्थकों से बात कर रहे हैं और माहौल बना रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वीडियो कॉल पर बात की। बाद में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, ष्अखिलेश जी हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहे हैं। जब उन्होंने अचानक मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया तो लगा कि मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं। इससे यह सवाल उठने लगा है कि क्या तेजप्रताप अखिलेश की मदद से राजनीतिक वापसी की योजना बना रहे हैं। तेज प्रताप ने न सिर्फ अखिलेश से बात की, बल्कि उसी दिन पटना में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें भी कीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, ष्मुलाकातों का सिलसिला जारी है। जब जनता का प्यार हमारे साथ होता है, तो हमें हर परिस्थिति का हिम्मत से सामना करने की ताकत मिलती है।ष अपनी राजनीतिक पार्टी से निकाले जाने और अपने ही परिवार की आलोचनाओं का सामना करने के बावजूद तेज प्रताप की बढ़ती सार्वजनिक सक्रियता यह दर्शाती है कि वे राजनीति से दूर नहीं जा रहे हैं। अनुष्का यादव के साथ उनके रिश्ते की चर्चा सार्वजनिक रूप से होने और पारिवारिक तनाव की अफवाहों के बीच, कई लोग पूछ रहे हैं ।

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा को मिलेंगी 50 से भी कम सीटें : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें मिलेंगी। बनर्जी ने आज सतगाछी में बोलते हुए कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुक गई। मैंने कहा था कि 2024 में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, और यह सच साबित हुआ। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा के बातूनी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार 9000 वोटों से जीते। उन्होंने मेरे खिलाफ लोगों को संगठित करने की भी हिम्मत की। अगर वह 50 साल तक राजनीति करते हैं और 10 चुनाव लड़ते हैं, तब भी उनका अंतर 7.1 लाख के करीब नहीं आएगा, जो मुझे डायमंड हार्बर में मिला था। बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला करते हुए कहा कि शुवेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते तो ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं? उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल ।

श्रावण मास पर हो मंदिरों की सफाई : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि त्योहारों के दौरान कोई शरारत न पनपने पाए। कांवड़ यात्रा, मोहर्रम और रथयात्रा क दौरान भड़काऊ नारे, हथियारों का प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने प्रदेश में जातीय संघर्ष फैलाने की साजिश के बारे में आगाह करते हुए कहा कि अराजक लोगों को बेनकाब किया जाए। कौशांबी, इटावा, औरैया की घटनाएं ऐसी साजिश का परिणाम हैं जिस पर कार्रवाई के लिए शासन से आदेश की प्रतीक्षा न करें। दोषियों की पहचान सार्वजनिक कर सख्ती से कानूनी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री बुधवार को अपने सरकारी आवास से आगामी त्योहारों की तैयारी और कानून–व्यवस्था की स्थिति की शासन और फील्ड में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डीजे, ताजिया और रथ की ऊंचाई तय सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। डीजे, ढोल–ताशे की ध्वनि की सीमा भी तय होगी। शोभायात्रा, जुलूसों के लिए पेड़ काटना या गरीबों का आश्रय हटाना स्वीकार नहीं है। कांवड़ यात्रा मार्ग पर खुले में मांस बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने खाद्य सामग्री की दरों को तय करते हुए ओवररेटिंग रोकने और बीते वर्ष की तरह इस बार भी हर दुकान पर संचालक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी डीएम को दी। उन्होंने खासकर सोमवार को शिवालयों में भीड़ प्रबंधन, सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। श्रद्धालुओं की भीड़ में अराजक तत्वों, वेष बदलकर घुसपैठ करने वालों की विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया मोहर्रम जुलूसों में सुरक्षा और संवाद प्राथमिकता देने और विगत घटनाओं से सबक लेने को कहा। सीएम ने कहा कि 11 जुलाई से 9 अगस्त तक पवित्र श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, नागपंचमी और रक्षाबंधन पर्व मनाए जाएंगे। वहीं 27 जून से 8 जुलाई तक जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 27 जून से 7 जुलाई तक मोहर्रम है। यह समय कानून–व्यवस्था, चिकित्सा, स्वच्छता, शिक्षा और आपदा प्रबंधन के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील है। कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और उल्लास का प्रतीक है। उत्तराखंड सीमा से सटे जिलों सहित गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी और बस्ती जैसे जिले विशेष सतर्कता बरतें। धार्मिक यात्राओं में अस्त्र–शस्त्र का प्रदर्शन और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उपयोग सौहार्द को खंडित कर सकते हैं,।

सोमनाथ भारती की पत्नी ने निर्मला सीतारमण पर किया मानहानि केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर सुनवाई करेगी। यह शिकायत पिछले साल 17 मई को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मित्रा और भारती की शादी के बारे में सीतारमण द्वारा दिए गए कथित मानहानिकारक, झूठे और दुर्भावनापूर्ण बयानों से उपजी है। मित्रा का दावा है कि उनके पति की प्रतिष्ठा और चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के इरादे से राष्ट्रीय टेलीविजन चौनलों द्वारा टिप्पणियों को व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था। भारती आम चुनावों के दौरान नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से इंडिया ब्लॉक की उम्मीदवार थीं। इससे पहले, मामला अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल की अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जिन्होंने सीतारमण के वकील को श्वकालतनामाश दाखिल करने और शिकायत की सामग्री की समीक्षा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया था। अदालत ने मित्रा की कानूनी टीम को शिकायत की सॉफ्ट कॉपी और कथित रूप से अपमानजनक बयानों वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो लिंक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में फ्रंटल संगठनों की बैठक हुई

वाराणसी, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का तीन जुलाई को आगमन प्रस्तावित है। वह अनवरगंज में सपा कार्यालय के उद्घाटन के लिए आने वाले हैं। इस सिलसिले में जिलाध्यक्ष हवलदार यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में फ्रंटल संगठनों की बैठक हुई। इसमें आयोजन के लिए जिम्मेदारी दी गई। जिलाध्यक्ष हवलदार यादव ने कहा कि पूर्व सीएम अखिलेश यादव के स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उन्होंने बताया कि तीन जुलाई को होने वाले कार्यक्रम में जिले के कोने–कोने से पार्टी समर्थक शामिल होंगे। सभी फ्रंटल संगठन अपने–अपने संगठनात्मक ड्रेस में कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। जिन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने

प्रदेश को अघोषित आपातकाल में झोंक दिया है। साहित्यकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों और राजनेताओं पर मुकदमे लादकर डराने–धमकाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश का युवा भाजपा सरकार के दमन और अत्याचार के सामने झुकने वाला नहीं है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं के हाथ में ही सामाजिक और राजनीतिक बदलाव की चाबी है और साल 2027 में अखिलेश यादव को फिर से मुख्यमंत्री बनाना ही समाजवादी कार्यकर्ताओं का लक्ष्य है। बैठक में रामजीत यादव राष्ट्रीय सचिव अंबेडकर वाहिनी, जवाहिर यादव राष्ट्रीय सचिव शिक्षक सभा, अजीत कुमार राव राष्ट्रीय सचिव अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, दुर्गेश यादव जिला अध्यक्ष युवजन सभा, गुलाब राजभर जिला अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ आदि उपस्थित थे।

भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा है : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री दिल्ली में राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि किसी भाषा का विरोध नहीं है, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा का महिमामंडन करने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा बोलने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए। और जब तक व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते। अमित शाह ने आगे कहा कि जहां तक घ्देश का सवाल है, भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। भाषाओं को जीवित रखना और उन्हें समृद्ध बनाना जरूरी है। आने वाले दिनों में हमें सभी भारतीय भाषाओं और खघस तौर पर राजभाषा के लिए ये सारे प्रयास करने चाहिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मैं पूरे दिल से मानता हूं कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है, और हिंदी और भारतीय भाषाएं मिलकर ही हमारे स्वाभिमान कार्यक्रम को उसके अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा सकती हैं। इससे पहले अमित शाह ने कहा कि नशा युवाओं के लिए सबसे बड़ी समस्या है और मोदी सरकार नार्को–कार्टेल पर बेरहमी से प्रहार कर रही है तथा नशे की लत में फंसे युवाओं को सहानुभूति के साथ सामान्य जीवन में वापस ला

रही है। शाह ने यह बात श्अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवसश के अवसर पर श्नशा मुक्त भारतश की लड़ाई में योद्धाओं और सहयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए कही। उन्होंने श्एक्सश पर लिखा, ष्नशीली दवाएं हमारे युवाओं के लिए सबसे बड़ी समस्या हैं। मोदी सरकार इस खतरे से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपना रही है, नार्को–कार्टेल पर निर्ममता से प्रहार कर रही है और नशे की लत में फंसे युवाओं को सहानुभूति के साथ सामान्य जीवन में वापस ला रही है।ष

भारत सिंधु नदी पर बांध बनाकर पानी रोकने के लिए स्वतंत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिंधु जल संधि पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा, यह फैसला भारत सरकार और प्रधानमंत्री का है। संधि स्थगित होने के बारे में कोई अपडेट नहीं है। जो भी फैसला लिया जाएगा, उससे देश को ही फायदा होगा। संधि पर बिलावल भुट्टो के कथित बयान पर पाटिल ने कहा, श्पानी कहीं नहीं जाएगा, वह जो कहते हैं, वह उनका अपना सवाल है। हम झूठी धमकियों से नहीं डरते। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने बेफिजूल बयान देते हुए कहा था कि यदि भारत सिंधु जल संधि के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित हिस्सा देने से इनकार करता है, तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ेगा। दरअसल, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले हफ्ते इस ऐतिहासिक समझौते को कभी

बहाल न करने की घोषणा की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच में सिंधु जल संधि पर 19 सितंबर 1960 को कराची में हस्ताक्षर हुए थे। समझौता सिंधु नदी और इसकी सहायक नदियों के पानी के इस्तेमाल को लेकर हुआ था। विश्व बैंक की तरफ से पहल के बाद समझौते करने के लिए भारत–पाकिस्तान के बीच अलग–अलग स्तर पर 9 साल तक बात चली थी। भारत की तरफ से प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान की तरफ से राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान ने संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सिंधु जल समझौता, 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित एक जल–बंटवारा समझौता था। इसमें विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी। इस समझौते का उद्देश्य सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के उपयोग को लेकर दोनों देशों के बीच विवादों को रोकना था। इस संधि के तहत, हिमालय के सिंधु नदी बेसिन की छह नदियों को दो भागों में बांटा गया था। पूर्वी नदियों ब्यास, रावी और सतलुज का पानी भारत को मिलता था, जबकि पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब का कंट्रोल पाकिस्तान के पास आया था। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो फैसला किया था, उससे पाकिस्तान की आर्थिक कमर टूट गई है।

छठ, दीपावली पर बिहार पहुंचने का टेंशन खत्म, चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने दे दी एक और बड़ी सौगात

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार आगामी त्योहारों के दौरान भीड़ को प्रबंधित करने के लिए 299 अतिरिक्त बसें चलाएगी। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि बिहार के लोग विभिन्न पर्व–त्योहारों खासकर छठ, होली, दीपावली एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर काफी संख्या में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल से घर आते हैं। पर्व–त्योहारों के अवसर पर बिहार आने में लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बिहार आने वाले लोगों की यात्रा को सुगम बनाने तथा उनकी सहूलियत के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में बिहार से जुड़े अंतर्राज्यीय मार्गों पर राज्य सरकार 299 ए०सी० एवं नॉन ए०सी० बसों

का परिचालन कराने जा रही है। उन्होंने लिखा कि 24 जून 2025 को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में इसे स्वीकृति दे दी गई है। राज्य सरकार 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसों की खरीद पर 105.82 करोड़ रुपए खर्च करेगी। साथ ही लोक निजी भागीदारी के अन्तर्गत भी 150 अतिरिक्त ए०सी० बसों का परिचालन कराया जाएगा। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार पर्व–त्योहारों खासकर छठ, होली, दीपावली एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर केंद्र सरकार से भी और अधिक विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध करेगी। इससे पर्व–त्योहारों के समय लोगों को अब बिहार आने में सहूलियत होगी और वे सुविधापूर्वक अपने घर पहुंच सकेंगे। पिछले साल की शुरुआत में छठ और दिवाली के दौरान ट्रेनों और बसों की कमी के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

दो पहिया वाहनों पर नहीं लगेगा को कोई टोल, नितिन गडकरी ने सभी अटकलों को बताया गलत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 15 जुलाई 2025 से दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। मीडिया के दावों को खारिज करते हुए गडकरी ने कहा कि ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। उन्होंने बिना पुष्टि किए फर्जी खबरें प्रकाशित करने के लिए मीडिया घरानों की निंदा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ मीडिया घराने दोपहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाने के बारे में भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल पर छूट पूरी तरह जारी रहेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भी इन फर्जी मीडिया रिपोर्टों की तथ्य–जांच की। एनएचएआई ने एक पोस्ट में कहा, ष्फैक्टचेकरू मीडिया के कुछ वर्गों ने रिपोर्ट की

है कि भारत सरकार दोपहिया वाहनों पर उपयोगकर्ता शुल्क लगाने की योजना बना रही है। एनएचएआई स्पष्ट करना चाहता है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है। हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि 15 जुलाई से सभी दोपहिया वाहनों को राजमार्गों पर टोल टैक्स देना होगा। रिपोर्टों में आगे दावा किया गया है कि दोपहिया वाहनों को डिजिटल टोल संग्रह के तहत लाने के कदम के साथ सरकार यह सुनिश्चित करने की योजना बना रही है कि राजमार्गों के रखरखाव की लागत में हर कोई योगदान दे। वर्तमान में, टोल–टैक्स केवल चार पहिया वाहनों से ही वसूला जाता है। वर्तमान में, टोल–टैक्स केवल चार पहिया वाहनों से ही वसूला जाता है। इस कदम के साथ, सरकार टोल संग्रह को सुव्यवस्थित करने का लक्ष्य बना रही है।

उद्धव ठाकरे का आरोप, भाषा के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है और सत्तारूढ़ पार्टी पर महाराष्ट्र में श्भाषा आपातकालश लगाने का आरोप लगाया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी, जो कि भाजपा की पूर्व सहयोगी है, हिंदी के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वह निश्चित रूप से मराठी भाषी राज्य में भाषा को थोपे जाने के खिलाफ है। मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी पढ़ाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच उन्होंने जोर देकर कहा, ष्हम किसी भी भाषा का विरोध या नफरत नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी भाषा को

थोपने की अनुमति देंगे।ष उन्होंने दावा किया, ष्भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है।ष उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का छिपा हुआ एजेंडा हिंदी थोपना है। पूर्व सीएम ने दावा किया, ष्सत्तारूढ़ पार्टी भाषा आपातकाल लगा रही है। महाराष्ट्र में स्कूलों में मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी के रूप में हिंदी पढ़ाने को लेकर पैदा विवाद के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य सरकार का इस मुद्दे पर एक के बाद एक बैठकें करने का कदम मराठी का ''अपमान'' है। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में मराठी साहित्य की प्रमुख शख्सियतों और हस्तियों की ''चुप्पी'' पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि इनमें से कई सरकार से जुड़े होने के कारण इस मुद्दे पर बोल नहीं रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई कैबिनेट मंत्रियों और साहित्यिक हस्तियों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ते हैं, इसलिए उनके पास मराठी के संरक्षण के बारे में बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

संपादकीय

फिर अंतरिक्ष में दस्तक

अमेरिका के एक्सियम–4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम–4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम–4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततरू अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम–4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट–7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है।

समाज की चुप्पी से मजबूत होता नशा बाजार

प्रो. आरके

हर साल 26 जून को जब दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाती है, तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि हम इसके खिलाफ कितनी बातें कर रहे हैंकृबल्कि यह है कि क्या हम इसके खिलाफ सच में खड़े हो रहे हैं? यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक जागृति का आह्वान हैकृएक ऐसी क्रांति की शुरुआत, जो नशे की जड़ों को उखाड़ फेंके और समाज को उसकी चपेट से मुक्त करे। नशे की त्रासदी केवल इसके शारीरिक या मानसिक नुकसान तक सीमित नहीं हैय इसकी असली ताकत उस सामाजिक स्वीकार्यता में है, जो इसे धीरे–धीरे हमारे जीवन में घुसने देती है। स्कूल के किशोर से लेकर कॉरपोरेट ऑफिस में काम करने वाले प्रोफेशनल तक, नशा अब एक 'पर्सनल च्वॉइस' का लबादा ओढ़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की विश्व ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग 29.6 करोड़ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। एनसीआरबी और अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में 15 से 34 वर्ष की आयु के बीच के लाखों युवा नशे की चपेट में हैं। इनमें से कई स्कूली बच्चे और कॉलेज छात्र हैं, जो ड्रग्स, शराब, और तंबाकू के जाल में फंस रहे हैं। नशे की यह महामारी केवल एक व्यक्ति की कमजोरी नहीं हैय यह एक सामाजिक संरचना की खामी है। जब नशा 'कूल' होने का पर्याय बन जाता है, जब फिल्मों में सिगरेट का धुआं या शराब का ग्लास 'हीरोइज्म' का प्रतीक दिखाया जाता है, तो हमारी युवा पीढ़ी को गलत संदेश मिलता है। आज का युवा नशे को स्टेटस, स्टाइल, और स्वतंत्रता से जोड़ता है। यह एक ऐसी भ्रांति है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक ढांचे को कमजोर करती है। नशा केवल शरीर को नहीं खोखला करताय यह सपनों, रिश्तों, और आत्मविश्वास को भी नष्ट करता है। नशे के पीछे कई कारण गिनाए जाते हैंकृतनाव, बेरोजगारी, सामाजिक दबाव, या फिर दोस्तों का प्रभाव। लेकिन क्या हमने कभी यह पूछा कि हमारी व्यवस्था इस समस्या को रोकने में कितनी नाकाम रही है? नशा विरोधी कानून, जैसे नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985, भारत में मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन कहां है? स्कूलों में नशे के खिलाफ जागरूकता के नाम पर साल में एक बार भाषण या पोस्टर प्रतियोगिता करवा दी जाती है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी और नशे की आसान उपलब्धता इस समस्या को और बढ़ा रही है। हाल के वर्षों में भारत में सस्ते और खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स, जैसे मेफेड्रोन की तस्करी में वृद्धि हुई है। ये नशीले पदार्थ न केवल सुलभ हैं, बल्कि इनका प्रचार सोशल मीडिया और डार्क वेब के जरिए भी हो रहा है। नशे का प्रभाव केवल शारीरिक या मानसिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। नशे की लत के कारण लोग अपनी नौकरी, शिक्षा, और सामाजिक प्रतिष्ठा खो देते हैं। परिवार टूटते हैं, बच्चे अनाथ होते हैं, और समाज में अपराध बढ़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाली बीमारियों और अपराधों का वैश्विक आर्थिक बोझ अरबों डॉलर में है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां पहले ही संसाधनों की कमी है, नशे की यह महामारी एक और बड़ी चुनौती है। इस समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों या कानूनों तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है, जिसमें हर व्यक्ति, हर परिवार, और हर समुदाय की जिम्मेदारी बनती है। माता–पिता को अपने बच्चों से खुलकर बात करनी होगीकृन कि डर या ताने के साथ, बल्कि प्यार और विश्वास के साथ। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार पर नजर रखें और उन्हें नशे के खतरों के बारे में शिक्षित करें। स्कूलों और कॉलेजों में नशा निषेध पर नियमित कार्यशालाएं और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। सरकार को नशा तस्करी के खिलाफ सख्ती बरतनी होगी और नशामुक्ति केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ानी होगी। मीडिया और सिनेमा की भूमिका भी अहम है। जब तक फिल्में और वेब सीरीज नशे को 'ग्लैमराइज' करती रहेंगी, तब तक युवाओं के दिमाग से यह भ्रांति नहीं निकलेगी कि नशा 'कूल' है। असली हीरो वही है, जो नशे की लत को ठुकराकर अपने सपनों को हकीकत में बदलता है। सामाजिक स्तर पर भी हमें नशे के शिकार लोगों को हाशिए पर धकेलने के बजाय, उन्हें मुख्यधारा में लाने की कोशिश करनी होगी। नशामुक्ति केंद्रों को केवल सुधार गृह नहीं, बल्कि नवजीवन के केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि नशा एक बीमारी है, और इसका इलाज दया, समझ, और समर्थन से ही संभव है। छब्बीस जून का अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस हमें याद दिलाता है।

नाम नहीं नीतियां बदलने से बदलेंगे हालात

विश्वनाथ

शेक्सपियर ने भले ही कह दिया हो कि नाम में क्या रखा है, पर हकीकत तो यही है कि आपका नाम आपके चरित्र को बदलने की क्षमता रखता है। शायद इसी समझ का यह परिणाम है कि हमारी सरकारें नाम बदलने की नीति में विश्वास करती दिख रही हैं। गली– मोहल्लों के नाम बदलने से लेकर शहरों तक के नाम बदलने की देश में जैसे एक प्रतिस्पर्धा–सी चल रही है। कोई भी राज्य इस काम में पीछे नहीं रहना चाहता। राज्य यह मानकर चलते दिख रहे हैं कि नाम बदलने की यह कवायद जादुई असर रखती है। इस प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश में दिखा है। वहां रातों–रात बेरोजगारी समाप्त कर दी गयी है। सरकार ने बाकायदा इस बात की घोषणा की है कि अब प्रदेश में कोई बेरोजगार नहीं है! ऐसा नहीं है कि राज्य में सबको रोजगार मिल गया है। हुआ यह है कि राज्य सरकार को अचानक यह इलहाम हुआ है कि बेरोजगारी की इस समस्या से निपटने का सबसे कारगर तरीका यह है कि रोजगार की तलाश में सड़कों पर भटकते, नारे लगाते युवाओं का नाम ही बदल दिया जाये। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी! इसलिए सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में राज्य के बेरोजगार युवाओं को 'रोजगार खोजने वाला युवा' कहा जायेगा। ऐसे में युवाओं को एक अच्छा–सा नाम भी दे दिया गया है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास मंत्री ने यह घोषणा कर दी है कि अब इन युवाओं को 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। शेक्सपियर ने भले ही कुछ भी माना या कहा हो, हमारी सरकार यह मानती है कि बेरोजगारी शब्द युवाओं का मनोबल गिराता है, इस शब्द का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब युवाओं पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका मनोबल बना रहेगा। इस निर्णय के परिणाम स्वरूप सरकारी नौकरियों में कार्यरत युवा उच्च पद पाने की आकांक्षा रखेंगे और बेरोजगार युवा नौकरी की आकांक्षा रखेंगे। बेरोजगारी की समस्या का इससे अच्छा भला और क्या समाधान हो सकता है? सरकारी आंकड़ों और मान्यता के अनुसार मध्य प्रदेश में 'आकांक्षी युवाओं' की संख्या दिसंबर 2024 में 26 लाख थी अब यह बढ़कर 29 लाख हो गयी है। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन 2020 से सन 2024 के दौरान राज्य में 27 रोजगार मेले लगाये गये थे, इनमें तीन लाख युवाओं को रोजगार के प्रस्ताव मिले थे। अब सरकार यह मान रही है कि बेरोजगारों का नाम बदलने से रोजगार मिलने की गति में तेजी आयेगी और जल्दी ही बेरोजगारी का खात्मा हो जायेगा। निश्चित रूप से देश के अन्य राज्य भी मध्य प्रदेश से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और समस्याओं के समाधान का यह नाम बदलू तरीका अपनाकर देश में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने में अपना योगदान देंगे। राज्य सरकार के इस कदम को सार्थक परिणति तक पहुंचाने के काम को गति देने के लिए जनता के सुझाव भी आने लगे हैं। ऐसे सुझावों में एक सुझाव गरीबों को 'अर्ध धनवान' नाम देने का भी है। इसी तरह भिखारियों को 'सड़क के स्टार्टअप खोजी' कहकर देश की इस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है। शुतुरमुर्ग के बारे में यह कहा जाता है कि संकट आने पर वह अपना सर रेत में छुपा लेता है और मान लेता है कि क्योंकि संकट उसे नहीं दिख रहा, इसलिए वह मिट गया है। कुछ ऐसी ही प्रवृत्ति हमारी सरकारों में दिख रही है। अन्यथा यह कैसे संभव है कि बेरोजगार को आकांक्षी युवा कहने से उसका संकट मिट जायेगा? किसी भी समस्या का समाधान समस्या की आंख से आंख मिलाकर उसका सामना करने से होता है, न कि यह मान लेने से कि समस्या है ही नहीं।

हमें यह मानना ही होगा कि बेरोजगारी और गरीबी हमारी बहुत बड़ी समस्या हैदृ और चुनौती भी। इस समस्या का समाधान चुनौती को स्वीकार करके ही किया जा सकता है। अक्सर वक्त की सरकारें लोकलुभावनी नारों से जनता को भरमाने की कोशिश करती हैं, और अक्सर जनता इन नारों के जाल में फंस जाती है। 'इंडिया शाइनिंग' से लेकर 'अच्छे दिन' तक के नारों के शोर हम सुनते रहे हैं। इस तरह के नारे समय–विशेष की आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सांत्वना भले ही देते हों, पर अक्सर यह देखा गया है कि सरकारें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने वादों और दावों को बदलती रहती हैं और अक्सर उन्हें जनता को भरमाने के अपने उद्देश्य में सफलता भी मिल जाती है। आधी सदी से ज्यादा समय हो गया है जब देश में 'गरीबी हटाओ' का नारा चला था। तब से लेकर आज तक अलग–अलग दलों की सरकारें आती–जाती रहीं, पर देश की गरीबी नहीं मिटी। आंकड़ों से भले ही गरीबी के कम होने की दुहाई दी जा रही हो, पर यह तथ्य अपने आप में परेशान करने वाला है ।

.... विविध ....

ठंडा खाने के कारण बारिश में लोग ज्यादा होते हैं बीमार

मानसून के मौसम में यह आम धारणा है कि ठंडा खाना खाने से सर्दी–जुकाम या गले में खराश हो सकती है। लेकिन सच्चाई यह है कि इन समस्याओं का कारण ठंडा खाना नहीं, बल्कि वायरस और बैक्टीरिया होते हैं। ठंडा खाना खाने से बीमार होने की धारणा सिर्फ एक मिथक है। असली सावधानी साफ–सफाई और ताजगी को लेकर रखनी चाहिए, खाने के तापमान को लेकर नहीं।

सर्दी–जुकाम का असली कारण

सर्दी–जुकाम वायरल इन्फेक्शन की वजह से होता है, न कि ठंडा खाना खाने से। मानसून में नमी के कारण वायरस और बैक्टीरिया ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं, जिससे इम्यूनिटी कमजोर पड़ सकती है। अगर खाना साफ–सुथरा और सुरक्षित तरीके से बनाया गया है तो वह ठंडा हो या गर्म बीमार नहीं करता।

क्या करना चाहिए?

ठंडा खाना खाने से परहेज करने की कोई वैज्ञानिक वजह नहीं है। बस यह ध्यान रखें कि वह खाना बासी न हो, दूषित न हो और स्वच्छता के नियमों का पालन किया गया हो। घर का बना, ताजा और साफ ठंडा खाना पूरी तरह सुरक्षित है।

मानसून में सेहतमंद रहने के टिप्सरू

–हाथ धोने की आदत बनाएं, खासकर खाने से पहले।

–घर के आसपास पानी जमा न होने दें – मच्छर पनप सकते हैं।

–नमी से बचाव के लिए कपड़े और बिस्तर सूखे रखें।

–उबला या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं।

–सड़क किनारे मिलने वाले जूस या खुली चीजों से परहेज करें।

–मानसून में पाचन क्षमता कमजोर हो जाती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन करें।

–बारिश के मौसम में फल–सब्जियों पर कीटाणु ज्यादा हो सकते हैं।

–पत्तेदार सब्जियों से सावधानी बरतें क्योंकि उनमें गंदगी और कीड़े होने की संभावना अधिक होती है।

मृणाल ठाकुर का ब्यूटी सीक्रेट चेहरे पर लगाती हैं ऐसा तेल

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर अपनी खूबसूरती और नेचुरल ग्लो के लिए काफी फेमस हैं, और उनके ब्यूटी रूटीन में एक खास सीक्रेट है, जिसे उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में शेयर किया। मृणाल ने बताया कि वे चेहरे पर बालों में लगाने वाला तेल, यानी बादाम का तेल, लगाती हैं। उनका मानना है कि यह स्किन को न सिर्फ स्मूथ बनाता है, बल्कि इससे चेहरे पर ग्लो भी आता है। मृणाल का कहना है, आप सभी ब्यूटी प्रोडक्ट्स को एक तरफ रख दो, क्योंकि मैं आपको बता रही हूं, यह बादाम का तेल सबसे अच्छा है। हम अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर बहुत पैसा खर्च करते हैं, लेकिन यह तेल आपकी स्किन के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम का तेल क्यों है खास?

बादाम का तेल विटामिन E, A, ओमेगा–3 फैटी एसिड और जिंक से भरपूर होता है। ये सभी गुण स्किन को हाइड्रेट रखते हैं, डार्क सर्कल्स को कम करने में मदद करते हैं, और चेहरे के दाग–धब्बों को हल्का करते हैं। इसके अलावा, यह एजिंग साइन को कम करने और स्कार्स को दूर करने में भी मदद करता है।

मृणाल का स्किनकेयर रूटीन

मृणाल सिर्फ बादाम का तेल नहीं, बल्कि और भी नेचुरल रेमेडीज अपनाती हैं। वे हल्दी, कॉफी और चीनी से बना स्क्रब अपने चेहरे पर लगाती हैं। इसके अलावा, वे एलोवेरा और भीगे हुए चिया सीड्स भी अपनी स्किन पर लगाती हैं।

चावल का पानी भी है उनकी रूटीन का हिस्सा

एक और खास टिप मृणाल ने शेयर की है कि वे चावल के पानी से आइस क्यूब बनाकर अपने चेहरे पर लगाती हैं। खासकर शूट से पहले यह नुस्खा अपनाती हैं, जिससे उनकी स्किन क्लीयर और ग्लोइंग नजर आती है। अगर आप भी मृणाल की तरह अपनी स्किन को नेचुरल तरीके से ग्लोइंग और जवां रखना चाहती हैं, तो आप उनके बताए गए।

बार-बार नींद में मुंह सूखना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का संकेत

रात में सोते समय मुंह या गला सूख जाना एक आम बात है लेकिन अगर यह रोज–रोज हो तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह हमारे शरीर में छुपी किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे के कारण, कौन–कौन सी बीमारियों से यह जुड़ा हो सकता है और इससे बचने के आसान तरीके।

मुंह सूखने की आम वजहें

शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन)रू अगर आप दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं, तो रात में मुंह सूख सकता है। यह डिहाइड्रेशन की वजह से होता है।

कुछ दवाओं के साइड इफेक्टरू एंटी–एलर्जिक, डिप्रेशन, ब्लड प्रेशर, पेशाब बढ़ाने वाली दवाइयाँ या सर्दी–जुकाम की दवाएं लार ग्रंथियों पर असर डालती हैं। इससे मुंह सूखने लगता है।

शराब, तंबाकू और कैफीन का ज्यादा सेवनरू इनका ज्यादा इस्तेमाल लार ग्रंथियों की कार्यक्षमता को कम कर सकता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है और मुंह सूखने लगता है।

नाक से जुड़ी समस्याएंरू अगर आपको रात में नाक बंद रहने, साइनस या एलर्जी की समस्या है, तो आप मुंह खोलकर सो सकते हैं। इससे भी मुंह सूखता है।

किन बीमारियों का संकेत हो सकता है मुंह सूखना?

डायबिटीज (मधुमेह)– डायबिटीज के मरीजों को ज्यादा प्यास लगती है। बार–बार मुंह सूखना डायबिटीज का शुरुआती लक्षण हो सकता है।

स्लीप एपनिया– इस बीमारी में नींद के दौरान सांस बार–बार रुकती है। इससे मुंह सूखने की समस्या हो सकती है।

जॉगरेन सिंड्रोम– यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम लार और आंसू बनाने वाली ग्रंथियों पर हमला करता है। इसके कारण मुंह और आंखों में सूखापन रहता है।

पार्किंसन डिजीज– इस बीमारी में भी लार ग्रंथियां प्रभावित होती हैं, जिससे मुंह सूखने लगता है।

ध्यान देने वाले लक्षण

अगर मुंह सूखने के साथ ये लक्षण भी दिखें, तो सतर्क हो जाएं बार–बार प्यास लगना, मुंह, गला या होंठ का फटना, मुंह में चिपचिपापन या सांस में बदबू, खाना निगलने या बोलने में कठिनाई, लार गाढ़ी हो जाना, मुंह में छाले या घाव, रात में बार–बार नींद खुलना।

डॉक्टर से कब मिलें?

मुंह सूखने की समस्या रोज हो रही है।

थकान ज्यादा हो रही है या बिना वजह वजन कम हो रहा है।

नींद के दौरान खर्राटे, सांस रुकना या दिनभर नींद आ रही है।

मुंह और आंखों में लगातार सूखापन बना हुआ है।

किसी नई दवा के बाद यह समस्या शुरू हुई है।

कैसे करें बचाव?

दिनभर खूब पानी पिएं शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए पर्याप्त पानी जरूर पिएं।

कैफीन, तंबाकू और शराब से बचेंरू ये चीजें लार बनने की प्रक्रिया को धीमा करती हैं। इनसे दूरी बनाना जरूरी है।

सोने से पहले थोड़ा पानी जरूर पिएंरू इससे मुंह नम बना रहेगा और लार बनती रहेगी।

नाक की समस्या हो तो इलाज कराएं– नाक बंद रहना या एलर्जी की स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करें।

दवा से समस्या हो रही हो तो डॉक्टर को बताएं– अगर किसी दवा के शुरू होते ही मुंह सूखने लगा है, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

रात में मुंह सूखना मामूली लग सकता है, लेकिन अगर यह रोजाना हो रहा है तो यह आपके स्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर संकेत हो सकता है। बेहतर है कि आप समय रहते इस पर ध्यान दें, डॉक्टर से सलाह लें और जीवनशैली में सुधार करें ताकि यह समस्या आगे चलकर किसी बीमारी का रूप न ले।

अश्विनी पुरम कॉलोनी पार्क में मलबा जमा होने और पानी की टंकी से लीकेज पर महापौर ने जताई नाराजगी

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अश्विनीपुरम कॉलोनी और आसपास के इलाके में जल निकासी के लिए नाला बनाने के लिए ग्रेडिएंट से ढलान का पता लगाया जाएगा।यह निर्देश शुक्रवार को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के अश्वनीपुरम कॉलोनी में भ्रमण के दौरान दिए।सुबह के सात बजे महापौर नगर निगम टीम के साथ रामलीला मैदान के सामने पहुंचे तो चेहरे पर उम्मीद लिए स्थानीय लोग इंतजार कर रहे थे।स्थानीय पार्षद जगत नारायण यादव ने अश्वनीपुरम फेज टू में अवधेश कुमार श्रीवास्तव के मकान से प्रमोद दुबे के मकान तक 180 मीटर लंबी सड़क एवं नाली निर्माण की आवश्यकता जताई।यहां मौजूद प्रमोद दुबे, राजेश चौधरी, सुनील सिंह, मानसी मौर्य, रोहित मौर्य आदि ने बताया कि 2019 में निर्मित खड़ंजा अब बैठ चुका है,जिससे जलभराव की स्थिति निरन्तर बनी रहती है।यहां लोगों की समस्याएं सुनने के बाद काफिला अश्विनीपुरम कॉलोनी की ओर बढ़ा।दाहिनी ओर जर्जर गली देखकर महापौर ने नवनिर्माण के लिए प्राक्कलन करने के निर्देश निर्माण खंड को दिए।थोड़ा आगे बढ़ने पर पार्क में मलबा जमा देखकर नाराजगी जताई और उसे हटवाने की निर्देश दिए, ताकि बच्चों को पार्क में खेलने की सुविधा हासिल हो सके।यहां उन्होंने हैंडपंप चला कर चेक किया जो ठीक था पर ढक्कन गायब था।उन्होंने नल पर नया ढक्कन तत्काल लगवा दिया।बीबी सिंह के घर के सामने स्थित पार्क का टूटा गेट बनवाने का निर्देश महापौर ने दिया।यहां सोलर ट्री भी खराब होने की शिकायत मुहल्लेवासियों ने की, जिस पर उन्होंने जांच के निर्देश दिए।कॉर्नर पर स्थापित पानी की टंकी से सेंसर पाइप निकल जाने के कारण लगातार रिसाव हो रहा था।महापौर ने टंकी खाली कराकर 24 घंटे में लीकेज बंद करने का निर्देश दिया। उन्होंने कॉर्नर पर नाली की सफाई न होने पर नाराजगी जताई तथा एंटी लार्वा का छिड़काव कराया।महापौर ने घर से कचरा को ले रहे ठेला वाले से बात की और स्थानीय महिलाओं को घरेलू कूड़े को अलग–अलग रखने के लिए जागरूक किया। थोड़ा आगे बढ़ने पर स्थित पार्क में लगी बेंच टूटी होने की शिकायत मंजू गुप्त ने दर्ज कराई, जिस पर महापौर ने बेंच बदलने का निर्देश दिया।काफिला आगे बढ़ा तो पूर्व विधायक इंद्रप्रताप तिवारी श्खब्बूश ने बड़ी तादाद में मुहल्लावासियों के साथ बुकें भेंट कर स्वागत किया। महापौर ने उनका आभार जताया। महापौर ने उनके आवास पर बैठ कर जनसुनवाई भी की।उन्होंने मोहल्ले में सफाई के लिए सफाई कर्मियों की संख्या बढ़ाने तथा नाला निर्माण के लिए ढलान चेक करने का निर्देश दिया।उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत आवश्यकता नुसार पंप लगाकर जल निकासी का प्रबंध करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान कौशिकनगर में भी जल भराव की समस्या सामने आई।महापौर ने इसके निदान का हल ढूंढने का निर्देश मातहत अमले को दिया। लोगों ने सरस्वतीपुरम में नगरीय विकास अभिकरण के निर्माणाधीन सड़क के कारण जल निकासी प्रभावित होने की शिकायत भी दर्ज कराई।भ्रमण के दौरान अपर नगर आयुक्त वागीश कुमार शुक्ल, डॉ. नागेंद्र नाथ, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, सहायक अभियंता निर्माण खंड राजपति यादव, भाजपा के मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, लक्ष्मी पांडे, पार्षद चंदन सिंह, पूर्व पार्षद सुरेंद्र यादव, प्रांशु अग्रवाल, राधेश्याम मौर्य, मन्नू तिवारी, मुन्ना शुक्ल आदि शामिल रहे।महापौर भ्रमण के अंत में रामलीला मैदान पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर में दर्शन–पूजन के बाद वाटर कूलर का प्रबंध करने तथा मैदान में शौचालय का निर्माण करने का वादा किया।इसके साथ ही जल निकासी के लिए अंडरग्राउंड पाइप डालकर नाली से जोड़ने का निर्देश अधिकारियों व कर्मचारी को दिया।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन अयोध्या द्वारा आयोजित

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई अयोध्या द्वारा बार एसोसिएशन कचहरी अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव सभागार में अन्तर्प्रान्तीय पत्रकार सम्मेलन 29 जून 2025 रविवार को पूर्वाह्न 10रू30 बजे से होगा।जिसमें पत्रकारिता और समाज'ष विषय पर विचार–गोष्ठी आयोजित होने के साथ–साथ एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित स्मारिका षग्राम्य गौरवष्का विमोचन भी होगा।उक्त जानकारी देते हुए एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देव बक्श वर्मा ने बताया है कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति – श्री सुरेश कुमार गुप्ता व अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण उत्तर प्रदेश शासन श्री एल0 वेंकटेश्वर लू होंगे।अन्तर्प्रान्तीय पत्रकार सम्मेलन को मुख्य वक्ता के रूप में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता सम्बोधित करेंगे।सम्मेलन की अध्यक्षता ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्रनाथ सिंह करेंगे।इस आयोजित होने वाले अन्तर्प्रान्तीय पत्रकार सम्मेलन में दिल्ली, हरियाणा ,उत्तराखंड, राजस्थान , मध्य प्रदेश सहित कई प्रदेशों के व विभिन्न जिलों से भारी संख्या में पत्रकार साथी शिरकत करेंगे।जिला कमेटी के सभी सदस्य एवं पदाधिकारी अन्तर्प्रान्तीय पत्रकार सम्मेलन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।श्री वर्मा ने सम्मेलन में शिरकत करने आए रहे सभी पत्रकार साथियों को निर्धारित समय से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

अवध शिल्प ग्राम में 4 से 6 जुलाई को आम महोत्सव का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में 4 से 6 जुलाई को आम महोत्सव 2025 का आयोजन किया जाएगा जिसमें आम की 800 से अधिक प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसकी जानकारी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने प्रेसवार्ता में दी। आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और शाम को कवि कुमार विश्वास कविता पाठ करेंगे। महोत्सव में खरीदार, विक्रेता और निर्यातकों को भी आमंत्रित किया गया है।

13 वर्षीय किशोरी के साथ युवक ने किया दुष्कर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के रुपईडीहा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 13 वर्षीय बालिका के साथ बुधवार की शाम उसके पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म किया। किशोरी की हालत गंभीर होने पर वो उसे छोड़ कर भाग गया। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और किशोरी को आननफानन इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया। परिजनों की तहरीर पर रूपईडीहा पुलिस ने आरोपी अजमेर पर दुष्कर्म का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। एएसपी ग्रामीण डीपी तिवारी ने बताया कि जांच के दौरान देर रात आरोपी अजमेर के नेपाल भागने की सूचना मिली। जिस पर रूपईडीहा पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से नेपाल बोर्डर के पास पचपकरी गांव के पास दुष्कर्मी की घेरा बंद की।

निष्कासन के बाद सपा सुप्रीमो पर बरसे विधायक राकेश प्रताप

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह अब लगातार समाजवादी पार्टी और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने राज्यसभा व विधान परिषद सदस्य के चयन को लेकर पुराने घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए पूछा कि अतीत के पैकेज से भी अब पर्दा हटना चाहिए। राकेश प्रताप ने पूछा कि जब सपा सत्ता में थी तब श्री सेठ नाम के एक व्यक्ति को विधान परिषद भेजने के लिए कितना पैकेज लिया गया था और जब उनका नाम तत्कालीन राज्यपाल ने ठुकरा दिया था तो क्या बाद में पैकेज का आकार बढ़ाकर उन्हें राज्यसभा भेजा गया। सपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री जी ने राज्यसभा के जिन सम्मानित सदस्य महोदय के हवाले से पैकेज सम्बन्धी, अपने अनुभव का जिक्र वो दोहराते आजकल नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि भाजपा प्रत्याशी को राज्यसभा में समर्थन देने के बाद सपा ने विधायक राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद विधायक ने कहा कि अब पार्टी अपने मूल विचारों से भटक चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राम, राष्ट्र और सनातन उनके लिए पहले है, पार्टी बाद में। उनके बयान के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। तरसड़ा गांव के अधिवक्ता महेंद्र शुक्ल ने तंज कसते हुए।

अब परीक्षा पास करने वाले अफसर ही कर सकेंगे चुनावी ड्यूटी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में परीक्षा में फेल निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) चुनाव ड्यूटी से हटाए जाएंगे। अभी तक 403 में से 398 ईआरओ की परीक्षा हो चुकी है। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, इनमें से 3–4 फीसदी ईआरओ परीक्षा में फेल हो चुके हैं। इन्हें परीक्षा देने का एक और मौका मिलेगा। उसमें भी फेल हो गए तो इन्हें ईआरओ की जिम्मेदारी से हटाने के लिए रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजी जाएगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में संशोधन की जिम्मेदारी मुख्य रूप से ईआरओ की होती है। एसडीएम स्तर के अधिकारी ईआरओ बनाए जाते हैं। चुनाव आयोग के निर्देश पर इन अधिकारियों को पहली बार तीन अलग–अलग तिथियों 17 जून, 19 जून और 25 जून को ट्रेनिंग दी गई। इन तिथियों में क्रमशरू 124, 130 और 144 ईआरओ ने ट्रेनिंग ली। प्रशिक्षण के दौरान ईआरओ को उनकी जिम्मेदारियों, बीएलओ और सुपरवाइजरों के साथ समन्वय, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या घटाने के लिए आए दावे व आपत्तियों के निस्तारण के बारे में बताया जाता है। बीएलओ एप के तकनीकी पक्षों को भी बताया जाता है। विभिन्न वैधानिक नियमों और आयोग के इतिहास व कानूनी पक्ष से भी अवगत कराया जाता है। तीनों चरणों के प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अधिकारियों की परीक्षा हो चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस की अनियंत्रित गाड़ी घर में घुसी, कुचलकर एक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बलरामपुर जिले के हरैया सतघरवा क्षेत्र का परसपुर गांव हाइवे के किनारे है। बुधवार की रात घर के बाहर राम समुझ जायसवाल का 45 वर्षीय बेटा पंकज जायसवाल सो रहा था। पंकज परसदा बाजार में किराना की दुकान चलाता है। देर रात करीब साढ़े 11.30 बजे तेज रफ्तार में जा रही पुलिस गाड़ी अचानक अनियंत्रित हो गई। गाड़ी पहले बाहर सो रहे पंकज पर चढ़ी और फिर उसके बाद वह उसके घर में घुस गई। इससे पूरे घर में अफरा–तफरी का माहौल हो गया। घायल को रात में ही तुलसीपुर सीएचसी ले गए। डॉक्टरों के अनुसार उनकी मौत रात में ही हो गई थी। सुबह घटना से पूरे गांव में आक्रोश है, ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। सीओ ललिया डा. जितेंद्र कुमार ने माना कि घटना पुलिस वाहन से हुई है। उन्होंने कहा कि नेपाल सीमा पर मोबाइल टीम गई थी। रात को लौटते समय एक वाहन की स्टेयरिंग जाम हो गया। जिससे दुर्घटना हुई। परिजन दें तहरीर, खुद पर एफआईआर दर्ज करने को तैयार हादसे पर दुख जताते हुए प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह ने कहा घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। परिजन तहरीर दें, यदि परिजन को लगता है कि मैं दोषी हूं तो खुद पर भी मुकदमा दर्ज कर लूंगा। पुलिस परिवार के साथ है।

लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े छह नए कॉलेज

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय से छह नए कॉलेज और जुड़ गए हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की संख्या अब 560 हो गई है। लविवि कार्यपरिषद ने बुधवार को हुई बैठक में नए कॉलेजों के साथ ही कई अन्य अहम मुद्दों पर अपनी मुहर लगाई। लविवि से संबंद्ध कॉलेजों की संख्या 554 थी। बुधवार को हुई बैठक में लखनऊ के मानवोदय महाविद्यालय आईआईएम रोड और स्काई लॉ कॉलेज बिजनौर सरोजिनीनगर को मान्यता दी गई है। इसी तरह रायबरेली के पंडित जगन्नाथ मिश्र लॉ कॉलेज लालगंज, हरदोई के रघुनंदन हौसला बख्श अभय सिंह लॉ कॉलेज संडीला की मान्यता पर भी मुहर लगाई गई। सीतापुर के अजीम मेमोरियल लॉ कॉलेज बेनीपुर बिसवां और लाल जी सिंह जीवन ज्योति विधि महाविद्यालय परसेंडी की मान्यता को भी कार्यपरिषद ने मंजूरी दे दी है। कार्यपरिषद ने विभिन्न कॉलेजों के 35 स्थायी और 149 अस्थायी पाठ्यक्रमों को भी अपनी मंजूरी दे दी है। बैठक में कई शिक्षकों की प्रोन्नति और अवकाश संबंधी मामले भी मंजूर हुए।

दो मिनट लेट होने पर छुड़वा दी परीक्षा, अभ्यर्थी गेट पर बेहोश

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्टनगर में बुधवार को प्रतियोगी परीक्षा देने पहुंची एक महिला अभ्यर्थी को महज दो मिनट देरी होने पर परीक्षा से वंचित कर दिया गया। परीक्षा केंद्र प्रशासन से अभ्यर्थी गुहार लगाती रही, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रवेश न पाने के सदमे से अभ्यर्थी गेट पर ही बेहोश हो गई। लोगों ने किसी तरह से उसे संभाला। सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्टनगर स्थित टेक टेस्टिंग सॉल्यूशन में बुधवार सुबह 8:30 बजे ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा थी।

तीन साल तक खराब प्रदर्शन वाले निजी पॉलिटेक्निक होंगे बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। प्राविधिक शिक्षा विभाग प्रदेश में राजकीय के बाद सभी निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों की भी रैंकिंग जारी करेगा। इसमें संस्थानों को उनकी पठन–पाठन से जुड़ी गुणवत्ता के आधार पर ए से डी तक की ग्रेड दी जाएगी। वहीं लगातार तीन साल तक खराब प्रदर्शन व सी–डी ग्रेडिंग लाने वाले निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों को नए प्रवेश नहीं लेने दिया जाएगा। इन्हें बंद कर दिया जाएगा। प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने के लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग की ओर से विभिन्न स्तर पर कवायद की जा रही है। इसी क्रम में पिछले दिनों राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग जारी की गई है। प्रदेश में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की तर्ज पर स्टेट इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एसआईआरएफ) बनाया गया है। इसी क्रम में अब निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों की भी रैंकिंग जारी की जाएगी। वर्तमान में इनकी संख्या 220 हैं। प्राविधिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण ने बताया कि अप्रैल से जून के बीच किए गए मूल्यांकन के आधार पर जुलाई में निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों की पहली रैंकिंग जारी की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से इन संस्थानों में पठन–पाठन की व्यवस्था, कक्षाएं, लैब, प्लेसमेंट, बिल्डिंग आदि संसाधन, हॉस्टल सुविधा, उद्योग संस्थानों से उनके समझौते आदि को आधार बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें सी और डी ग्रेड लाने वाले निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों की हैंड होल्डिंग कर उनके यहां आवश्यक सुधार की कवायद भी की जाएगी। किंतु इसके बाद भी उनमें सुधार नहीं होता है तो फिर वहां पर नए प्रवेश लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यहां पहले से प्रवेश लेने वाले छात्र तो अपना कोर्स पूरा करेंगे। किंतु आगे यह संस्थान बंद कर दिए जाएंगे।

पॉलिटेक्निक प्रवेश काउंसिलिंग पांच चरणों मे, कार्यक्रम जारी

राजकीय, निजी, एडेड व पीपीपी पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (जीकप) ने ऑनलाइन प्रवेश काउंसिलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया है। काउंसिलिंग पांच चरणों में होगी। पहले तीन चरण सिर्फ प्रदेश के ही पात्र अभ्यर्थियों के लिए होंगे। वहीं कक्षाएं भी एक अगस्त से शुरू करने की तैयारी है।

जीकप के अनुसार पहले चरण में 27 जून से 2 जुलाई तक च्वाइस भरा जाएगा। तीन जुलाई को सीट आवंटन किया जाएगा। अभ्यर्थी 4 से 6 जुलाई तक ऑनलाइन फ्रीज या फ्लोट (अगले चरण में जाने का) विकल्प चुन सकेंगे। इसके लिए उन्हें निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। इनका दस्तावेज सत्यापन 4 से 7 जुलाई तक जिलावार सहायता केंद्रों पर किया जाएगा। सीट वापसी (विड्रा) आठ जुलाई को होगी। दूसरे चरण में 9 से 11 जुलाई तक विकल्प भरे जाएं। 12 जुलाई को सीट आवंटन होगा। 13 से 15 जुलाई तक सुरक्षा व काउंसिलिंग शुल्क ऑनलाइन जमा होगा। दस्तावेज सत्यापन 14 से 16 जुलाई तक और सीट वापसी 17 जुलाई को होगी। तीसरे चरण में 18 से 20 जुलाई तक विकल्प भरा जाएगा। 21 जुलाई को सीट आवंटन होगा। 22 से 24 जुलाई तक शुल्क जमा किया जाएगा। इस चरण में सभी अभ्यर्थी की सीट स्वतः फ्रीज होगी। दस्तावेज सत्यापन 22 से 25 जुलाई तक किया जाएगा। सीट वापसी की अंतिम तिथि 26 जुलाई है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी ज्यादा से ज्यादा कॉलेजों का विकल्प दें। अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग पोर्टल ीजजचेरूध्रममबनच.कउपेपवदे.दपब.पद पर लॉगिन कर प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया में फ्लोट–फ्रीज विकल्प चुनना अनिवार्य होगा। फ्रीज विकल्प चुनने पर अभ्यर्थी को सहायता केंद्र पर दस्तावेज सत्यापन कराना होगा। शुल्क जमा न करने व दस्तावेज सत्यापन न कराने पर अभ्यर्थी अगले चरणों में अयोग्य हो जाएगा। अभ्यर्थी काउंसिलिंग पोर्टल पर ऑनलाइन सीट वापसी (विड्रा) भी कर सकते हैं। इसमें सीट लेने के लिए जमा की गई ।

क्रिकेटर से बीएसए बनेंगे रिंकू सिंह, शिक्षा विभाग ने शुरू की कार्यवाही

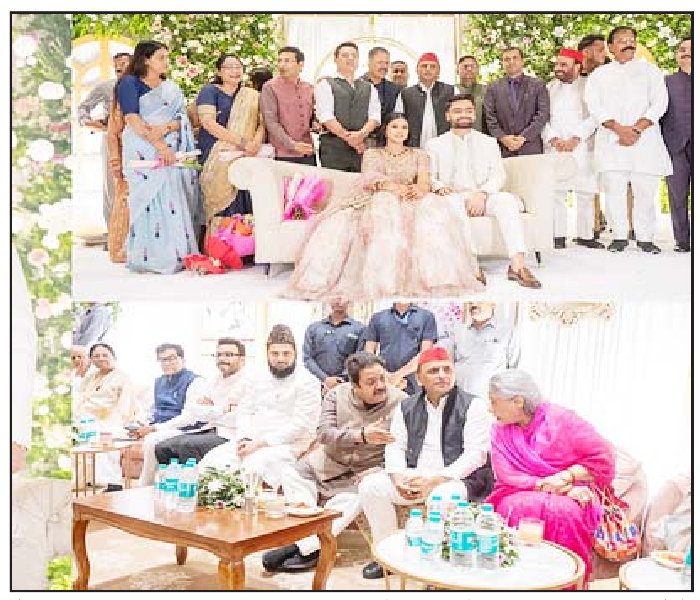

लखनऊ, (संवाददाता)। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह बेसिक शिक्षा विभाग में बेसिक शिक्षा अधिकारी बनेंगे। खेल विभाग की अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती के तहत उन्हें इस पद पर तैनाती दी जाएगी। इसके लिए विभाग ने आवश्यक तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही रिंकू सिंह को पत्र भेजकर इससे जुड़ी आवश्यक औपचारिकता पूरी करने को कहा है। क्रिकेटर रिंकू सिंह भारतीय टी–20 टीम के सदस्य हैं। मूल रूप से अलीगढ़ निवासी रिंकू सिंह की हाल ही में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज के साथ सगाई हुई है। जल्द ही उनकी शादी की तिथि भी तय की जाएगी। पिछले दिनों मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती के खाली पदों को भरने के लिए चयन समिति की बैठक हुई। इसमें खाली पदों के सापेक्ष सात खिलाड़ियों व एथलीट को विभिन्न विभागों में नियुक्त करने की संस्तुति की गई। इसमें रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा विभाग में बीएसए, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को गृह विभाग में पुलिस उप अधीक्षक, हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल को गृह विभाग में पुलिस उपाधीक्षक पद पर नियुक्ति की संस्तुति की गई। इसी क्रम में पैरा एथलीट अजीत सिंह को पंचायती राज विभाग में जिला पंचायती राय अधिकारी, पैरा एथलीट सिमरन को पंचायती राज विभाग में जिला पंचायती राज अधिकारी, पैरा एथलीट प्रीति पाल को ग्रामीण विकास विभाग में खंड विकास अधिकारी, एथलीट किरन बालियान को वन विभाग में क्षेत्रीय वन अधिकारी के रूप में तैनाती की संस्तुति दी गई। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि इन आवेदकों से उनकी शैक्षिक अर्हता से जुड़ी जानकारी ली जाएगी। साथ ही नियुक्ति होने के दिन से सात साल में उन्हें अपेक्षित अर्हता प्राप्त कर विभाग में देनी होगी। नियुक्त आवेदक संबंधित सेवा में पदोन्नति के लिए तब तक योग्य नहीं होंगे, जब तक वह निर्धारित अर्हता पूरी नहीं कर लेंगे। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह और मछलीशहर (जौनपुर) से सपा की युवा सांसद प्रिया सरोज की शादी टलने की सूचना मिली है। दोनों के घरों में तैयारियां चल रही थीं। शादी की तारीख टल जाने से तैयारियां भी रोक दी गई हैं। वाराणसी के होटल ताज में रिंकू और प्रिया की शादी होनी थी। आने वाले 18 नवंबर को क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी होनी थी। नवंबर में होने वाली क्रिकेट टूर्नामेंट में रिंकू सिंह की व्यवस्तता के कारण यह शादी टाल दी गई है। होटल की बुकिंग को फरवरी माह के अंत में कर दिया गया है। तारीख अभी नहीं तय हुई है।

ट्रक ने किशोर को रौंदा, आहत दोस्त ने ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के मलिहाबाद के सरावां गांव में बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल से जा रहे मनीष रावत (17) को रौंद दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इससे आहत होकर मनीष के दोस्त सागर ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी।मनीष व सागर जिगरी दोस्त थे और बागों में आम तोड़ने का काम करते थे। मनीष के पिता संजय के मुताबिक बुधवार सुबह साढ़े सात बजे दोनों अपनी–अपनी साइकिल से काम पर मलिहाबाद जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाबा मैरिज लॉन के सामने सड़क पार करते वक्त हरदोई की ओर से जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने मनीष को रौंद दिया। पीछे से आ रहे सागर ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया, पर नाकाम रहे। दोस्त की मौत से आहत सागर रोते हुआ रेलवे ट्रैक पर पहुंचे और ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। इस बीच मलिहाबाद पुलिस की सूचना पर रहीमाबाद पुलिस ने भाग रहे ट्रक को घेरकर चालक को पकड़ लिया। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मनीष के पिता की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मनीष साइकिल से आगे चल रहे थे। जैसे ही ट्रक ने उन्हें रौंदा, सागर अपनी साइकिल फेंककर ट्रक को रोकने के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने ट्रक के सामने कूदने की कोशिश भी की, लेकिन चालक रहीमाबाद की ओर भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मनीष की मौत के बाद सागर करीब पांच मिनट तक उससे लिपटकर रोते रहे।

किसान भाइयों को कृषि यंत्र की खरीद पर अनुदान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उप कृषि निदेशक ने जनपद के किसान भाइयों को अवगत कराया है कि कृषि विभाग द्वारा जनपद जौनपुर में संचालित विभिन्न योजनान्तर्गत कृषि यंत्रों एवं कृषि रक्षा उपकरणों की खरीद पर योजनान्तर्गत अधिकतम अनुमन्य अनुदान डी0बी0टी0 के माध्यम से दिये जाने का प्रावधान है। उक्त के क्रम में शासन के निर्देशानुसार यंत्रों की बुकिंग हेतु विभागीय पोर्टल ीजजचेरूध्ध्ंहतपकंतींद.नच.हवअ.पद 27 जून 2025 को दोपहर 12 बजे से कट आफ डेट 12 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा। यंत्रो पर अनुदान प्राप्त करने हेतु इच्छुक कृषक उक्त पोर्टल के माध्यम से आनलाइन निर्धारित टोकन धनराशि जमा करते हुए टोकन जनरेट करके कृषि यंत्र पर अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते है। किसान भाइयों से अनुरोध करना है कि उक्त पोर्टल के अतिरिक्त अन्य किसी पोर्टल पर टोकन जनरेट या धनराशि जमा न करें। बुकिंग हेतु उपलब्ध प्रमुख कृषि यंत्र – हाई टेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, बैच ड्रायर, कस्टम हायरिंग केन्द्र, थ्रेसिंग फलोर, फार्म मशीनरी बैंक, स्मॉल गोदाम, किसान ड्रोन, ऑयल एक्शट्रेक्शनधमिनी ऑयल एक्शट्रेक्शन यूनिट, कम्बाइन हार्वेस्टर विथ एस0एम0एस0, पापिंग मशीन, सुपर सीडर, रोटावेटर, पैडीध्मल्टी क्राप थेशर, पैडी स्ट्राचापर एवं अन्य समस्त कृषि यंत्र तथा फसल अवशेष प्रबन्धन के यंत्र है।

प्रथम चरण मे जनपद के 57 परिषदीय विद्यालयों की पेयरिंग हुई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के मंशानुसार अपर्याप्त छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों में नजदीक के विद्यालयों के संसाधनों के उपयोग किए जाने, जनहित एवं छात्रहित के उद्देश्य से जन समुदाय, अभिभावक, विद्यालय प्रबंधा समिति इत्यादि की सहमति तथा संबंधित विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारी के प्रस्ताव व संस्तुति के आधार पर, जिलाधिकारी के अनुमोदनोंपरांत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 57 विद्यालय जिनमे 39 प्राथमिक एवं 18 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का नजदीक के परिषदीय विद्यालयों में पेयरिंग कर दिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने बताया कि उक्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा आगामी 1 जुलाई से पेयरिंग हुए विद्यालय में अध्ययन एवं अध्यापन होगा। द्वितीय चरण के पेयरिंग हेतु खण्ड शिक्षाधिकारी से 28 जून तक प्रस्ताव मांगा गया है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने वायु सेवा के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को दी बधाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद लखनऊ वृंदावन सेक्टर 5 में अवध क्षेत्र अध्यक्ष ने आज पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ लखनऊ जिला संयोजक मनोज सिंह चौहान (पूर्व सैनिक) एवं मंडल संयोजक सरोजनी नगर मनोज कुमार का अध्यक्ष कर्नल वीरेंद्र सिंह तोमर एवं सूबेदार कामता

सिंह ने संगठन की टोपी एवं पत्रिका देकर स्वागत किया। अध्यक्ष जी ने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की सदस्यता भी साथ में दिलाई। सदस्यता अभियान के तहत जो भी पूर्व सैनिक अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद से जुड़ना चाहता है उनका स्वागत है कांटेक्ट नंबर पर संपर्क करके सदस्यता ग्रहण करने के विषय पर चर्चा कर सकते हैं। कांटेक्ट नंबर 78975 18558 सूबेदार कामता सिंह संगठन सचिव अवध प्रांत क्षेत्र एवं कार्यवाहक अध्यक्ष लखनऊ इस बैठक के दौरान अध्यक्ष जी ने वायु सेवा के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जी को बधाई दिया। भारतीय अंतरिक्ष में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 41 साल बाद अंतरिक्ष में भारतीय ध्वज तिरंगा लहराया सेना एवं पूर्व सैनिकों तथा पूरे देश में खुशी की लहर जागृत हो उठी। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत की टीम ने पुनः बधाई देते हुए अंतरिक्ष यान के पूरे ग्रुप के, सदस्यों की अच्छे स्वास्थ्य और पूर्ण मिशन की कामना किया।

संगीत का प्रभाव बच्चों की मानसिक और शारीरिक स्थिति पर सकारात्मक पड़ रहा है : कुलपति प्रो. मांडवी सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ भातखंडे विवि में ग्रीष्मकालीन कार्यशालारू403 प्रतिभागी ले रहे हिस्सा, संगीत, नृत्य और कला का प्रशिक्षण मिला। लखनऊ के भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन संगीत, नृत्य और कला कार्यशाला चल रही है। कार्यशाला में अब तक 403 लोगों ने भाग लिया है। इसमें बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। प्रतिभागी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से भाग ले रहे हैं। शास्त्रीय गायन में 49, सुगम संगीत में 15, तबला–पखावज में 19, ढोलक में 35, सितार में 9 प्रतिभागी हैं। वायलिन में 6, गिटार में 50, बांसुरी–हारमोनियम में 42, की–बोर्ड में 28 लोग सीख रहे हैं। कथक में 90, भरतनाट्यम में 22, लोकनृत्य में 7, पेंटिंग में 22 और क्ले मॉडलिंग में 6 छात्र प्रशिक्षण ले रहे हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही इस बार तीन दिव्यांग बच्चों को शास्त्रीय गायन का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुलपति प्रो. मांडवी सिंह के अनुसार, संगीत का प्रभाव बच्चों की मानसिक और शारीरिक स्थिति पर सकारात्मक पड़ रहा है। वर्कशॉप के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि प्रतिभागियों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। कुशल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागी सीख रहे हैं और अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। यह कार्यशाला समाज को विश्वविद्यालय से जोड़ने का माध्यम बन रही है।

विद्या हॉस्पिटल से क्षेत्रीय लोगों का होगा बेहतर इलाज- सीमा द्विवेदी

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर स्थानीय क्षेत्र के डाक बंगला के बगल जौनपुर रोड मुंगराबादशाहपुर में विद्या हॉस्पिटल एण्ड चेस्ट सेंटर का शुभारंभ किया गया.। विद्या हॉस्पिटल से क्षेत्रीय लोगों का होगा बेहतर इलाज अभी तक लोग जौनपुर बनारस और प्रयागराज जाते थे बेहतर इलाज के लिए लेकिन अब से नहीं जाना होगा क्योंकि डॉक्टर एके तिवारी ने मुंगरा बादशाहपुर में एक ऐसे प्रतिष्ठा का शुभारंभ किया है जिससे मुंगरा बादशाहपुर ही नहीं पूरे विधानसभा के लोगों का बेहतर इलाज होना सुनिश्चित हुआ है उक्त बातें विद्या हॉस्पिटल एंड चेस्ट सेंटर के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा द्विवेदी सांसद राज्यसभा ने कही. वहीं पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर डॉ अरुण द्विवेदी (शल्य विभाग आईएमएस बी.एच.यू) वाराणसी ने कहा कि क्या हॉस्पिटल कम सेवा की भावना के उद्देश्य से ज्यादा खोला गया है क्योंकि अपनी शिक्षा के दौरान डॉ अखिलेश तिवारी यदि कोई भी गरीब असहाय और क्षेत्रीय मरीज पहुंच जाता था तो दिन रात लग करके उसकी सेवा करते थे और उन्होंने कहा कि मैंने कई बार डॉक्टर अखिलेश तिवारी को कहा कि आप किसी बड़े शहर में प्रेक्टिस करें परंतु इन्होंने साफ शब्दों में कहा मैंने जो शिक्षा प्राप्त की है वह अपने क्षेत्रीय लोगों की सेवा करने के लिए मैं इसका सदुपयोग करना चाहता हूं. विशिष्ट कार्यक्रम के अध्यक्ष कपिल मुनि गुप्ता अध्यक्ष मुंगराबादशाहपुर ने कहा कि नगर वासियों के लिए यह अस्पताल बहुत ही लाभप्रद होगा और इससे नगरपालिका सुविधाओं की कड़ी में एक और विकास की कड़ी जुड़ी जिसके लिए हम सभी नगरवासी डॉ साहब के आभारी हैं. वहीं पर इस संबंध में विद्या हॉस्पिटल और चेस्ट सेंटर के डायरेक्टर डॉ ए के तिवारी (एमबीबीएस एमडी) ने कहा कि एक उचित एव सेवा भाव की भावना से इस नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ आज किया गया है. वहीं पर डॉ मीनाक्षी तिवारी (एमबीबीएस एम एस) ने बताया कि मुंगरा बादशाहपुर में इस अस्पताल को खोलने का उद्देश्य विद्या से परिपूर्ण युक्त हॉस्पिटल है जहां पर यदि मरीज समय से पहुंच जाएगा तो उसका बेहतर इलाज किया जाएगा इसके पूर्व हम बदलापुर में विगत कई वर्षों से विद्या हॉस्पिटल संचालित किया जा हैं. इस अवसर पर भाजपा नेता मनोज द्विवेदी, राजन सिंह, डॉ विनय कुमार त्रिपाठी,संतोष मिश्र, अवध नारायण तिवारी, विजय नारायणन तिवारी, दीपू, आलोक गुप्ता आदि उपस्थित रहे. वहीं पर नीलेश तिवारी ने कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों एव क्षेत्रीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया.

पेयरिंग व्यवस्था के खिलाफ शिक्षकों में उबाल सरकार को दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

ब्यूरो चीफ
आलोक श्रीवास्तव

सुलतानपुर । पेयरिंग के नाम पर स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया का विरोध तेज होता जा रहा हैं शिक्षकों और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया हैं संगठन के राष्ट्रीय सचिव अर्जुन सिंह ने कहा कि पेयरिंग मर्जर की व्यवस्था को अगर सरकार ने वापस नहीं लिया तो यह आंदोलन प्रदेश ही नहीं देशव्यापी रूप लेगा उन्होंने स्पष्ट किया कि जल्द ही इस मुद्दे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष वासुराज गुरिकर से मुलाकात कर रणनीति बनाई जाएगी अर्जुन सिंह ने कहा कि संगठन लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगा और किसी भी कीमत पर शिक्षकों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने यह बातें प्रयागराज जाते समय पयागीपुर में शिक्षक नेताओं द्वारा किए गए स्वागत व सम्मान समारोह में कहीं इस दौरान रणवीर सिंह, वैभव भटनागर,जितेंद्र त्रिपाठी,रितेश त्रिपाठी और डा.शरद सिंह प्रवक्ता,राजकीय इंटर कॉलेज समेत कई शिक्षक नेता मौजूद रहे।

निर्धारित मूल्य से अधिक पर उर्वरक बेचने पर होगी कड़ी कार्रवाई- जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 27 जून, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में उर्वरकों की उपलब्धता के संबंध में बैठक गुरुवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में वर्तमान खरीफ फसलों की बुवाईध रोपाई का कार्य प्रगति पर है। बुवाई रोपाई के समय नत्रजनिक एवं फास्फेटिक उर्वरकों की आवश्यकताध मांग में वृद्धि हो जाती है। कृषकों को निर्धारित दरों पर गुणवत्तायुक्त रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाना अति आवश्यक है। जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है, किसान बंधु इसको लेकर चिंतित ना हो। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कृषकों को यूरिया, डी.ए.पी एन.पी.के, एस.एस.पी एवं एम.ओ.पी शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यूरिया का मूल्य 266.50 रु प्रति 45 किलो, डीएपी 1350 रु प्रति 50 किलो, एनपीके 1400 रु प्रति 50 किलो, एसएसपी 540 रु प्रति 50 किलो, एमओपी 1800 प्रति 50 किलो निर्धारित है। जिलाधिकारी ने जनपद में उपलब्ध उर्वरकों का कृषकों के मध्य उनकी जोतध फसल के अनुसार संस्तुत मात्रा में पीओएस के माध्यम से वितरण करने के निर्देश दिए। उर्वरक विनिर्माता कंपनीध्थोक विक्रेताध फुटकर विक्रेता द्वारा मुख्य उर्वरकों यथा यूरिया डीएपी एनपीके एसएसपी एवं एमओपी के साथ कृषकों को अन्य उत्पाद जैसे नैनो यूरिया, जिंक, सल्फर एवं कैल्शियम आदि को क्रय करने हेतु बाध्य न किया जाए। प्रत्येक थोक फुटकर उर्वरक विक्रेताध्बीज विक्रेता कीटनाशी विक्रेताओं के स्तर पर स्टॉक पंजिका और विक्रय पंजिका प्रतिदिन अपडेट किया जाए तथा किसानों को क्रय उत्पादों की रसीद अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। जनपद में उर्वरक बिक्री केंद्रों पर उर्वरकों की उर्वरकवार बिक्री दर (रेट बोर्ड) तथा स्टॉक का अंकन स्टॉक बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाकर प्रतिदिन अपडेट किया जाए। ओवर रेटिंग अन्य उत्पादों की टैगिंग स्टॉक होल्डिंग एवं कालाबाजारी करते हुए पाए जाने पर संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्यवाही की जाए। शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सहकारी क्षेत्र में उर्वरकों की कमी को देखते हुए निजी क्षेत्र में प्राप्त होने वाली उर्वरकों का 40ः संभार सहकारी क्षेत्रों में प्रेषण हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, सहित कृषि विभाग के अधिकारीगण कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर में चला पॉलिथीन के खिलाफ विशेष अभियान, कई दुकानदारों पर हुई कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में नगर पालिका परिषद जौनुपर अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी पवन कुमार के द्वारा पॉलिथीन के उपयोग पर रोक लगाने और जनजागरूकता के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर के प्रमुख बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर छापेमारी के दौरान करीब 01 क्विंटल प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। संबंधित दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए कुल 22 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। इस अभियान में नगर पालिका के सफाई निरीक्षक अवधेश यादव सहित अन्य कर्मचारियों की विशेष टीम ने विभिन्न दुकानों, ठेलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जांच की और पॉलिथीन का प्रयोग करते पाए गए लोगों पर सख्त कार्रवाई की गई। इसके साथ ही लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए वैकल्पिक थैले जैसे कपड़ा और जूट के बैग प्रयोग करने की अपील भी की गई। अध्यक्ष ने कहा कि "पॉलिथीन पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा है। इसे रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर पालिका द्वारा चलाया गया यह अभियान जनहित और प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" अधिशासी अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पॉलिथीन के उपयोग को पूरी तरह समाप्त किया जाए इसके लिए लगातार अभियान चलाए जाएंगे और किसी को भी नियमों के उल्लंघन की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होने आमजनमानस से भी अपील है कि वे नियमों का पालन करें और स्वच्छता व पर्यावरण सुरक्षा में सहयोग दें।" नगर पालिका परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि लगातार चलाया जाएगा। नगर को पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिसमें जनजागरूकता और सख्त कार्रवाई दोनों शामिल होंगे।

नागरिक सुरक्षा कोर प्रखण्ड राजाजीपुरम के नवनियुक्त वार्डेनों को येलो जैकेट तथा आई कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा कोर प्रखण्ड राजाजीपुरम के नवनियुक्त वार्डेनों को येलो जैकेट तथा आई कार्ड वितरण कार्यक्रम नागरिक सुरक्षा नियंत्रण केन्द्र पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अपर पुलिस कमिश्नर पश्चिम धनंजय सिंह कुशवाहा थे एवं अध्यक्षता स्टॉफ ऑफिसर टू ऋतुराज रस्तोगी तथा संचालन सीनियर सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा ने किया। एडीसीपी धनंजय ने कहा कि जिन वार्डेन को आज येलो जैकेट मिली है वो मात्र जैकेट नहीं है बल्कि आपकी पहचान है, और अपनी पहचान को कभी कम मत होने देना। मोहर्रम में ड्यूटी के दौरान आप सब पूरी लगन मेहनत और ईमानदारी से कार्य करे। आपके कार्यों को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा हमेशा सराहा जाता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार, वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा, सहायक उपनियंत्रक मुकेश कुमार, रेखा पाण्डेय, ममता रानी, वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष वर्मा, वार्डेन सेवा से मुख्य रूप से रामगोपाल सिंह, मुकेश कुमार निगम, अश्विनी त्रिवेदी, राजेश कुमार शुक्ला, गोपाल कुमार शर्मा, रेखा मिश्रा, जितेन्द्र कुमार अरोड़ा, आशीष निगम, सचिन सक्सेना, रामू लाल पाण्डेय, विनोद कुमार, विनय कुमार, शैलेन्द्र द्विवेदी, सोनम सिंह, बृजेश पाल, विनोद कुमार यादव, आलोक पाण्डेय, सतीश चन्द्र यादव, संजय श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार त्रिवेद, जय प्रकाश चौधरी, विजय सिंह धाकरे, मो. मतीन खान, पवन कुमार सक्सेना, रजत राजपूत, कुलदीप रावत, अमान खान, विष्णु कुमार आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में महिला की मौत

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुरः सड़क हादसे में विवाहिता की मौत,गोद की बच्ची बची ।धनपतगंज थाना क्षेत्र के चंदौर गांव के पास गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में 22 वर्षीय विवाहिता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति के साथ बाइक पर पीछे बैठी थी,तभी उसकी साड़ी बाइक के पहिए में फंस गई और वह असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ी। गिरने से उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई ।हादसे के वक्त मृतका की गोद में उसकी एक साल की मासूम बच्ची भी थी,जो सौभाग्यवश सुरक्षित बच गई। मृतका की पहचान खुबू वर्मा पत्नी फूल कुमार वर्मा निवासी ग्राम अरवल थाना बल्दीराय के रूप में हुई है। वह अरवल ग्राम प्रधान लल्लू वर्मा की बहू बताई जा रही हैं ।सूचना मिलते ही धनपतगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है ।पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है।

प्रेम जीता अंतरजातीय विवाह के लिए राजी हुए परिजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । संदीप सेठ व मोनी निषाद का प्रेम परवान चढ़ा और यह जीने मरने की कसमें खाई ,इस सम्बंध के विरोधी दोनों पक्ष के परिजन आखिरकार अंतरजातिय विवाह के लिए तैयार हो गए और धार्मिक रीति रिवाज से दोनों प्रेमी जोडे की शादी जोगियापुर के भगवान निषाद राज मंदिर गोमती नदी तट पर संपन्न हुई। जिसमें समाजसेवी एवं मंदिर के संस्थापक धर्मेंद्र निषाद व रामकृष्ण बाबा, ननकू रामराज ,जेपी निषाद मनोज नगर की विशेष भूमिका रही। शहर खासनपुर के निवासी संदीप सेठ का प्रेम जोगियापुर के मोनी निषाद से चल रहा था ,कई बार यह शादी करने के लिए परिजनों से मिन्नते की, लेकिन परिजन राजी नहीं हुए । परिजन इसके विरोध पर उतर आए, यह प्रेमी जोडे भी जीने मरने की कसमें खाई थे। जिसे लेकर लोगों ने दोनों परिजनों को समझाया, साल भर चली उठा पठक के बीच समाजसेवी धर्मेंद्र निषाद व रामकृष्ण बिन्द बाबा ननकू रामराज, जेपी निषाद, मनोज नगर ,नीरज निषाद ने इस मामले में हस्तक्षेप कर साकारात्मक पहल किया और दोनों पक्ष शादी के लिए राजी करवाया, इसके बाद मोनी निषाद के परिजन व संदीप सेठ के परिजन खासनपुर के चौरा माता मंदिर में विवाह की पहल शुरू हुई और वहां से भगवान निषाद राज मंदिर जोगियापुर के संस्थापक धर्मेंद्र निषाद ने शादी के लिए दोनों पक्षों को रजामंद किया था और दोनों पक्ष की रजामंदी से शादी भगवान निषाद राज मंदिर में संपन्न हुई । शादी पुरी रीति रिवाज से हुई अंतरजातिय विवाह पर सभी लोगों ने आशीर्वाद दिया, जिसमें वर पक्ष के खासनपुर निवासी मदन सेठ ,सोनी सेठ, पिंटू सेठ ,चिंटू सेठ मौजूद रहे। वहीं वधू पक्ष मोनी की माता अमरावती देवी भाई कल्लू व अन्य सदस्य रहे। विशेष योगदान देने वाले नीरज निषाद, शिव पूजन , प्रदीप निषाद , वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश निषाद मुकेश निषाद गोलू मौजूद रहे । बारे में समाजसेवी एवं युवा नेता धर्मेंद्र निषाद का कहना है कि जब लड़का लड़की एक दूसरे को पसंद कर रहे थे तो इसमें उनके जीवन की खुशी मिलनी चाहिए और इसलिए दोनों परिवार रजामंदी से शादी संपन्न हुई इसमें किसी को कोई एतराज नहीं है।

एसडीएम सोहावल की कार्यशैली से क्षुब्ध युवक ने कलेक्ट्रेट में स्थित टावर पर युवक चढा,मचा हड़कंप

अयोध्या। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में नजूल कार्यालय के पास बने टावर पर सुबह 10 बजे के करीब एक व्यक्ति चढ़कर आत्महत्या का प्रयास किया। जिसके चलते पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया और वे उसके नीचे उतरने के लिए बार–बार मन मनोबल करते रहे। लेकिन टावर पर चढ़ा युवक सोहावल तहसील के बरई कला निवासी चंद्रशेखर यादव बार–बार यही कह रहा था कि हमने कई बार अपनी समस्या सोहावल एसडीएम अभिषेक कुमार सिंह के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए उच्चाधिकारियों से कहीं लेकिन उसके खिलाफ प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिसके चलते मुझे आज यह कदम उठाया। टावर पर चढ़े युवक चिल्ला चिल्ला कर कह रहा था कि सोहावल तहसील में काबिज एसडीम अभिषेक सिंह के खिलाफ की उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है ।इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उसे टावर उसे नीचे उतरने के लिए मानने की कोशिश कर रहे थे। इस घटना के चलते पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मचा हुआ था ।मौके पर अधिकारी, कलेक्ट्रेट के कर्मचारी और वादकारी इकट्ठा हो गए हैंऔर फरियादी को नीचे उतारने के लिए मनाने का प्रयास किया जा रहा है। टावर पर चढ़े युवक को नीचे उतारने के लिए अग्निशमन विभाग ने टावर के नीचे रेस्क्यू नेट लगाया ।रेस्क्यू नेट लगाने के बाद उसे नीचे उतरने के लिए की अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा मां मनोबल किया जा रहा था जा रही ।उच्च अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया। टावर पर चढ़े युवा के चंद्रशेखर यादव ने बताया कि एसडीएम सोहावल की मिली भगत से उसके खेत में चकरोट निकाला गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।